Poem-15 खुशबू रचते हैं हाथ

अरुण कमल

(2) खुशबू रचते हैं हाथ

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) 'खुशबू रचने वाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ-कहाँ रहते हैं?

उत्तर 'खुशबू रचने वाले हाथ' कविता में कवि ने मेहनतकश मज़दूरों, कारीगरों, बाल-श्रमिकों का उल्लेख करते हुए यह स्पष्ट किया है कि देश की मशहूर अगरबत्तियों को बनाने वाले, देश के हर आँगन को सुवासित करने वाले मज़दूर कई गलियों के बीच कई नालों के पार, कूड़े करकट के ढेरों के पीछे बदबूदार गलियों के भीतर रहते हैं। दूसरों के घर आँगन को महकाने वालों के अपने आँगन बदबू से भरे होते हैं।

(ख) कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई है?

उत्तर कविता में हाथ शब्द का बहुवचन में प्रयोग किया गया है। कवि ने गरीब मेहनतकश मज़दूरों के घिसे नाखूनों वाले, उभरी नसों वाले, पीपल के पत्तों के समान काँपते, जूही की सुगंधित डाली के समान, छोटे-छोटे कामगार बच्चों तथा जख़्मी हाथों का उल्लेख किया है। सभी मज़दूर आजीविका के लिए केवड़ा, खस, गुलाब और रातरानी की सुगंधित अगरबत्तियाँ बनाते हैं। इस प्रकार कविता में कवि ने हर आयु वर्ग के मज़दूरों की दयनीय स्थिति का वर्णन किया है।

(ग) कवि ने यह क्यों कहा है कि 'खुशबू रचते हैं हाथ'?

उत्तर कवि ने इस भावपूर्ण कविता का शीर्षक 'खुशबू रचते हैं हाथ' दिया है क्योंकि हाथ कर्मठता के प्रतीक हैं। गरीब कामगार, बाल मज़दूर, आजीविका के लिए देश की सुप्रसिद्ध, विदेशी बाज़ारों में बिकने वाली, हर घर-आँगन को सुवासित करने वाली अगरबत्तियाँ बनाते हैं। ये मेहनतकश लोग अपने कटे-फटे, ज़ख्मी हाथों तथा घिसे हुए नाखूनों की परवाह किए बिना ही डंडियों पर अगरबत्तियाँ बनाने का लेप लगाकर हमारी पूजा-साधना को और अधिक पवित्र सुगंधिपूर्ण, प्रभावशाली एवं कल्याणकारी बना देते हैं।

(घ) जहाँ अगरबत्तियाँ बनती हैं वहाँ का माहौल कैसा होता है?

अथवा

खुशबू रचने वाले हाथ कैसी परिस्थितियों में रहते हैं? **[CBSE 2011]**

उत्तर जहाँ अगरबत्तियाँ बनती हैं, वहाँ का माहौल बदबू, गंदगी और सीलन से भरा होता है। मुल्क की सुप्रसिद्ध अगरबत्तियाँ बनाने वाले केवड़ा, गुलाब, खस और रातरानी की सुगंधि से सुगंध प्रसारित करने वाले ये मज़दूर स्वयं बदबू और दुर्गंध के बीच रहकर भी दूसरों के हित चिंतन में लगे रहते हैं। स्वयं कष्ट, दुख, अभाव, झेलकर भी दूसरों के लिए मंगलकारी कार्य करना उनके सरल और विवेकी स्वभाव का परिचय देता है।

(ङ) इस कविता को लिखने का मुख्य उद्देश्य क्या है?

अथवा

'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता में कवि किस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता है और क्यों?

[CBSE 2011]

उत्तर इस कविता के माध्यम से कवि ने सामाजिक विषमताओं को बेनकाब किया है। समाज में सौंदर्य की सृष्टि करने वाले ही गंदगी के वातावरण में जी रहे हैं। लोगों को खुशहाल बनाने का प्रयास करने वाले बेबसी, अभाव और गंदगी में जीवन बसर कर रहे हैं। लोगों के जीवन में खुशहाली बिखेरने वाले ये लोग साफ़-सुथरी बस्तियों से दूर बदबूदार कूड़े-कचरे के ढेर के बीच जीवन के दिन काट रहे हैं। ये उपेक्षित, त्याज्य, घृणित लोग समाज के कल्याण में अपना योगदान देकर भी समाज से अलग-थलग गुमनामी की ज़िंदगी जीने के लिए विवश हैं। कवि ने ऐसे उपेक्षित, गरीब, साधनहीन मज़दूरों और कामगारों की समस्या को उभारा है, जो स्वयं अभावों में जीवन-यापन करते हुए समाज में अपना अहम योगदान देते हैं।

Scanned with CamScanner